RNI No.-MAHBIL/2016/66409
Postal Registration No.-PCE / 089 / 2016-2018
License to Post without
prepayment No.-WPP-255/31.12.2018
Post Customer ID-4000004011

BJS
Bharatiya Jain Sanghatana

भारतीय जैन संघटना समाचार

श्री शांतीलाल मुथ्था
संस्थापक

Editor - Prafulla Parakh

वर्ष 3 अंक 8 | मूल्य - रू.1/- | अगस्त 2018 | पृष्ठ - 8

स्वतंत्रता दिवस 2018

राष्ट्रीयता एवं देशप्रेम - वास्तविकताओं के दर्पण में

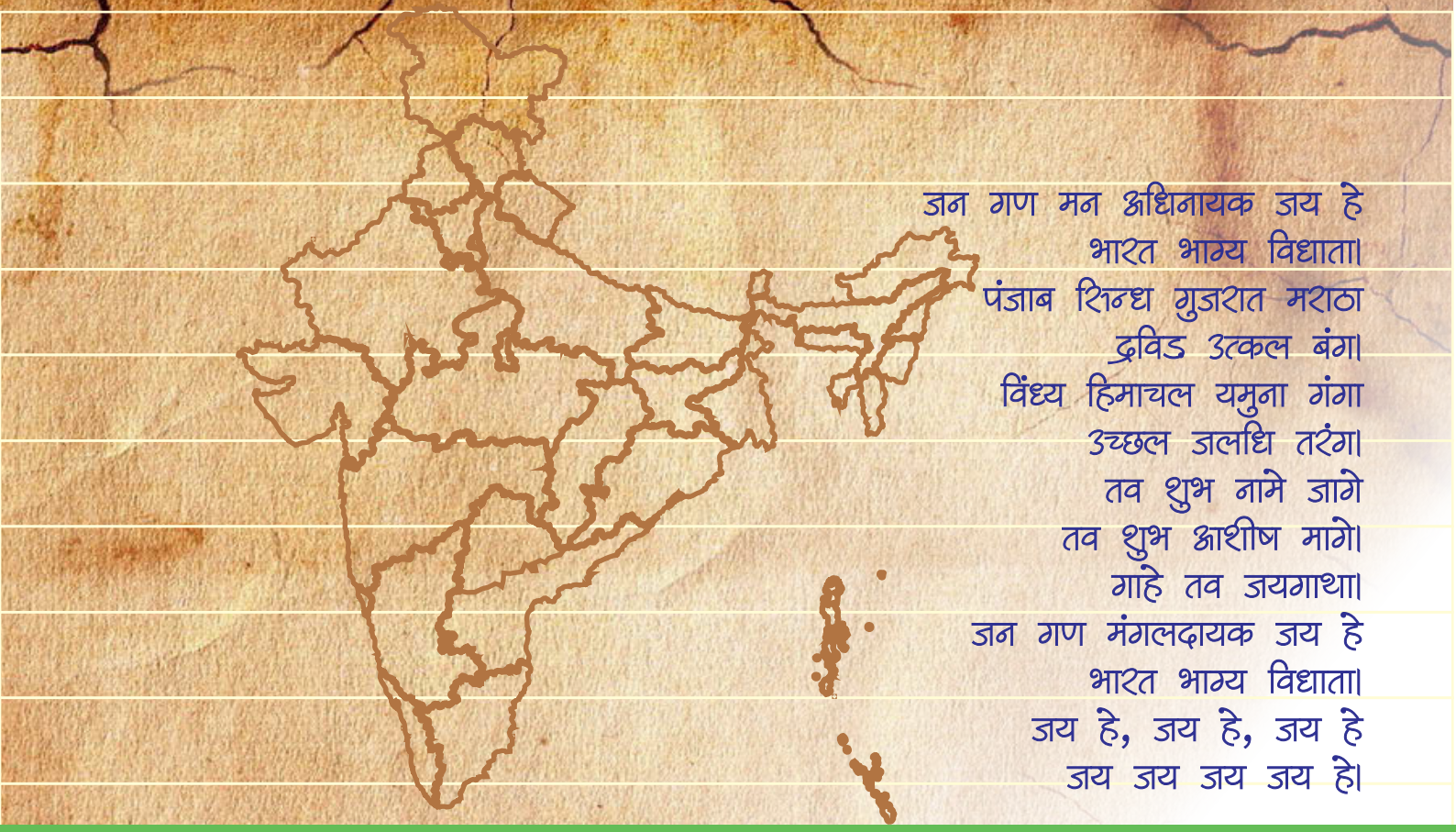

जन गण मन अधिनायक जय हे
भारत भाग्य विधाता।
पंजाब सिन्ध गुजरात मराठा
द्रविड उत्कल बंग।
विंध्य हिमाचल यमुना गंगा
उच्छल जलधि तरंग।
तव शुभ नामे जागे
तव शुभ आशीष मागे।
गाहे तव जयगाथा।
जन गण मंगलदायक जय हे
भारत भाग्य विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे
जय जय जय जय हे।

राष्ट्रीय अध्यक्ष की कलम से.....2
मंथन: राष्ट्रीयता एवं नागरिक कर्तव्यों के प्रति क्या हम जवाबदेह हैं?.....3
श्री शांतीलालजी मुथ्था का संदेश 4
बीजेएस गतिविधियाँ एवं समाचार 5-6
अल्पसंख्यक सूचनाएँ एवं समाचार 7

राष्ट्रीय अध्यक्ष की कलम से

प्रिय आत्मजन,

आप सभी देशवासियों को 71 वें स्वतंत्रता दिवस पर हार्दिक अभिनंदन एवं शुभकामनाएं. ब्रिटिश हुकूमत से हमें 15 अगस्त, 1947 को स्वतंत्रता मिली थी. इतिहास गवाह है कि स्वतंत्रता हमें उपहार में नहीं अपितु ब्रिटिश हुकूमत से खिलाफत और स्वतंत्रता संग्राम में सभी देश वासियों की सक्रिय भागीदारी के फलस्वरूप मिली. यह हम सभी के लिए गर्व का विषय है कि हम एक स्वतंत्र और प्रजातंत्रीय देश के नागरिक हैं. स्वतंत्रता के महत्व और मूल्य को सदैव स्मरण में रखना हमारा राष्ट्रीय उत्तरदायित्व है अन्यथा गुलामी की तलवारें हमारे शीर्ष पर पुनः लटकने लगेंगी, यह भय सदैव बना रहेगा. भारत की संस्कृति, आध्यात्म, ज्ञान तथा वीरता की गाथाओं से देश का इतिहास भरा पड़ा है, उपरांत इसके विदेशी शक्तियां हम पर राज करती रहीं और सदियों तक हमें गुलामी की जंज़ीरों में जकड़े रखा. संभवतः यह हमारे इतिहास का सर्वाधिक कलंकित अध्याय है. विश्व की समझदार व प्रगतिशील नस्लों ने इतिहास से सबक लेकर सुदृढ़ राष्ट्र का निर्माण किया, जिनमें ईज़राइल और जापान जैसे देशों का नाम प्रमुखता से लिया जाता है. हम कैसे भारत का निर्माण करना चाहते हैं ? यह चर्चा का विषय होना चाहिए. किन्तु उससे पूर्व स्वतंत्रता प्राप्ति के इन सात दशकों में हमने कैसे भारत का निर्माण किया है इस पर कहीं अधिक मनोमंथन करने की आवश्यकता है. हमने देश रूपी एक ऐसे चित्र का निर्माण किया है जिसमें भरे जाने वाले रंग कभी स्पष्ट दिखाई देंगे ही नहीं क्योंकि स्वार्थ हितों के कारण हममें एकता न तो पूर्व में थी और न आज ही है. इस देश में हम वैचारिक रूप से इतने टुकड़ों में बटे हुए हैं जिनकी गिनती संभव ही नही. सुदृढ़ राष्ट्र के निर्माण और सुरक्षित अस्तित्व हेतु देशवासियों में एकता की प्रक्रिया को निरंतर बनाए रखना अनिवार्य है किन्तु देशवासियों में क्रमशः बढ़ रही परस्पर असहिष्णुता और वैचारिक असमानताएं एकता की राह में सबसे बड़ी बाधा है.

मित्रों! वैयक्तिक, राजनीतिक व अन्य स्वार्थ लोलुपताओं के कारण हममें रही सही नैतिकता भी दम तोड़ रही है. जिस देश के नागरिकों में स्वयं के स्वार्थों की अहमियत देश से कहीं अधिक हो, उस देश का भावी कैसा होगा यह तो भविष्य ही निर्धारित करेगा किन्तु जिस राह पर हम चल रहे हैं, क्या गंतव्य तक पहुंच सकेंगें? यह संशय सदैव ही बना रहेगा. आज देश में शिक्षा, रोज़गार, लोक व्यवस्था, भ्रष्टाचार, युवा वर्ग आदि से संबंधित समस्याओं की अंतहीन सूची है जिन पर चर्चाओं और बहस की सोश्यल और प्रिंट मीडिया पर भरमार है. एक गंभीर राष्ट्रीय मुद्दा, हममें निरंतर घट रही राष्ट्रीयता की भावना है जो लगभग हमारे चिंतन में ही नहीं है, किन्तु इसका प्रत्यक्ष सम्बंध देश की सार्वभौमिकता, सुरक्षा और अस्तित्व से है. क्या हम एक स्वतंत्र राष्ट्र के कर्तव्य परायण देश प्रेमी नागरिक हैं? हमें स्वयं से यह प्रश्न करने का समय आ चुका है. स्वतंत्रता दिवस के पुनीत उपलक्ष्य में राष्ट्रीयता रूपी दर्पण के समक्ष खड़े होकर स्वयं का चेहरा देखने का साहस हम इस देश के नागरिक जुटा पाएं यो निश्चित ही हमारा स्वतंत्रता दिवस मनाना सार्थक होगा.

भारतीय जैन संघटना के संस्थापक आदरणीय श्री शांतीलालजी मुथ्था का 65 वां जन्म दिवस 15 अगस्त को मनाएंगे. भारतीय जैन संघटना परिवार की तरफ से इस अवसर पर आपका हार्दिक अभिनंदन करते हैं व आपके दीर्घायु तथा स्वस्थ जीवन की मंगल कामना करते हैं. परमपिता परमात्मा से प्रार्थना है कि सामाजिक एवं राष्ट्रीय उत्तरदायित्वों के निर्वहन तथा मानवीय सेवाओं के क्षेत्र में आपके द्वारा दी जा रही अद्वितीय सेवाओं की निरंतरता हेतु आपमें शक्तियों को अविरत संचार करे जिससे राष्ट्र निर्माण की प्रक्रियाओं में आपकी रचनात्मकता में अभिवृद्धि होती रहे.

प्रफुल्ल पारख
राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारतीय जैन संघटना

संपादक
प्रफुल्ल पारख, पुणे

कार्यकारी संपादक
निरंजन कुमार जुंवा जैन, अहमदाबाद

सदस्य
कैलाशमल दुगड़, चैन्नई **सुरेश कोठारी**, अहमदाबाद **सुदर्शन जैन**, बड़नेरा, **वीरेंद्र जैन**, इंदौर
महेश कोठारी, गोंदिया, **संजय सिंघी**, रायपुर, **राजेंद्र लुंकड़**, इरोड़

मंथन

राष्ट्रीयता एवं नागरिक कर्तव्यों के प्रति क्या हम जवाबदेह हैं?

निश्चित भौगोलिक सीमाओं में मानव समूहों द्वारा विकसित की गई सभ्यताओं एवं संस्कृतियों के आधार पर ही देश अस्तित्व में आता है. देश की सुरक्षा एवं अक्षुण्णता को सुनिश्चित करने का उत्तरदायित्व उस देश के नागरिको पर ही रहता है. राष्ट्रीयता एक वैचारिकी है जो देश की सुरक्षा एवं अक्षुण्णता हेतु नागरिकों में राष्ट्र प्रेम की भावना से प्रस्फुरित होती है.स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त को प्रतिवर्ष उत्सवित होता है जो राष्ट्र प्रेम की ज्योति को अविरत रूप से प्रज्ज्वलित करते रहने हेतु हममें आवश्यक ऊर्जा संचार करता है.

ब्रिटिश हुकुमत ने लगभग दो शताब्दियों तक तथा उससे पूर्व मुस्लिम बादशाहों ने अनेक शताब्दियों तक हम पर शासन किया. अति दीर्घकालीन गुलामी की यातनाओं से हमें अंततः मुक्ति14 अगस्त,1947 की मध्य रात्रि मे मिली. हमारा गुलाम बन जाना, देश के गौरवशाली और स्वर्णिम इतिहास का सर्वाधिक कलंकित अध्याय है. सम्पूर्ण विश्व को ज्ञान बांटने वाला भारत देश दुर्बल होकर सदियों तक गुलामी को अंगीकार करता रहा. ऐसा क्यों हुआ? इसके क्या कारण रहे? इन कारणों पर मनोमंथन आवश्यक है. देश का स्वतंत्र होना निश्चित ही कोई संयोग नहीं था किंतु इसे एक सुखद और गौरवशाली घटना के रूप में चित्रित करना कितना योग्य होगा क्योंकि देश,देश- प्रेम,राष्ट्र, राष्ट्रीयता और नागरिक कर्तव्य रूपी रक्त देश के नागरिकों की शिराओं में अपेक्षित मात्रा में प्रवाहित नहीं हो रहा है. यह भी एक कटु सत्य है कि हममें नैतिकता उतनी मात्रा में नहीं है जितनी राष्ट्रीय कर्तव्यपरायणता हेतु आवश्यक होती है.

हमारा देश के साथ क्या नाता है? हम भावनात्मक रूप से और कर्तव्यों के मापदण्डों में देश के साथ कितने जुड़े हैं? इस देश के नागरिक होने का हमें कितना गर्व है? प्राकृतिक रूप से जिस देश में हम पैदा हुए-बड़े हुए उससे सदैव जुड़े रहकर उसकी मिट्टी के प्रति आभार प्रदर्शन करते रहने का नाम ही राष्ट्र प्रेम है. यह मेरा देश है, मेरा घर है, देश के प्रति स्वामीभक्ति हेतु मुझे किसी कारण या स्पष्टीकरण देने की आवश्यकता नहीं है. देश का विकास,कल्याण,सुखाकारिता सदैव ही मेरी प्राथमिक कर्तव्यों में रहे एवं देश के खातिर बलिदान की भावना मुझमें बलवती होती रहे, यही राष्ट्र प्रेम है. भारत एक वृहद राष्ट्र है जिसमें धर्म, संस्कृति, परम्पराओं को लेकर अनेक विविधताएँ दृष्टिगोचर होती हैं. किन्तु साथ ही साथ भारत में भ्रष्टाचार से लेकर प्रदूषण तक अनेक समस्याएँ भी हैं और प्रतिदिन नई समस्याओं से हमारा सामना होता रहता है. हमने एक उत्तरदायी नागरिक के रूप में समस्याओं के निवारण में अपने व्यक्तिगत कर्तव्यों का कितना निर्वहन किया है? हमने तो एक ऐसी संस्कृति को जन्म दे डाला है जिसमें सरकार की आलोचना व नेताओं के प्रति अपशब्दों से हम हमारे नागरिक कर्तव्यों की इतिश्री कर रहे हैं. राष्ट्र प्रेम और राष्ट्रीयता की भावनाओं के प्रति हममें क्रमशः शिथिलता आ रही है जबकि राष्ट्र की गरिमा बनाए रखने व देश के समुचित विकास का उत्तरदायित्व मुख्यरूप से हम नागरिकों का है.

नीचे दिये गए कुछ प्रश्नों के उत्तर यदि 'हाँ' में दे सकें तो निश्चित ही हम उत्तरदायी नागरिक हैं :

- **क्या मैं देश के नियमों का पालन करता हूँ?**
- **क्या मैं सामाजिक और नागरिक कर्तव्यों का निर्वहन करता हूँ?**
- **क्या मैं मतदान के अधिकार का योग्य उपयोग करता हूँ?**
- **क्या मैं सरकारी करों का भुगतान करता हूँ?**
- **क्या मैंने अपने आस-पास व मोहल्ले में स्वच्छता बनाए रखने हेतु व्यक्तिगत प्रयास किए हैं?**
- **क्या मैंने आज तक न तो रिश्वत ली है और न ही दी है?**
- **क्या मैं युवा साथियों में राष्ट्रीयता भरने हेतु कुछ रचनात्मक प्रयास करता हूँ?**
- **क्या मैंने आज तक कभी संविधान प्रदत्त मूलभूत अधिकारों का दुरूपयोग नहीं किया है?**

हम स्वतन्त्रता के इन सात दशकों की यात्रा के पश्चात किस मुकाम पर खड़े हैं? यह गंभीर चिंतन का मुद्दा है. हम अमेरिका और चीन जैसे देशों से बहुत पीछे हैं किन्तु उनसे आगे निकलने का संकल्प हम क्यों नहीं लेते? आने वाले कल का भारत कैसा हो,यह सरकार नहीं हमें स्वयं तय करना हैं. इस देश में लगभग वह सभी संसाधन उपलब्ध हैं जो अमेरिका और चीन जैसे देशों में उपलब्ध हैं. क्या कारण है कि इज़राईल जैसा छोटा सा देश आज हमसे कहीं आगे है. यदि हम चाहते हैं कि भारत देश एक महासत्ता के रूप में अपना स्थान विश्व मानचित्र पर बनाए तो यह निश्चित ही संभव है. मात्र हम हमारे कर्तव्यों को समझें और हममें क्रमशः कम हो रही नैतिकता के कारणों को खोजें.

एकता और सहिष्णुता का परिचय देकर ही प्रभावी और जागृत समाज के निर्माण से हम वांछित लक्ष्य प्राप्त कर सकेंगे. भावी युवा पीढ़ियों को उनके प्रारम्भ काल से ही व्यावहारिक नैतिकता के पाठ पढ़ाने और पर्यावरण तथा प्रकृति के प्रति हमारी संवेदनाओं को जगाना होगा. इन सभी सामाजिक उत्तरदायित्वों के प्रति जागृत होकर कुछ कार्य करने का मनोरथ व्यक्तिगत और संस्थागत स्तर पर बनाना स्वयं व देश हित में होगा.

भारतीय जैन संघटना गत वर्षों से ऐसे अनेक महत्वपूर्ण मुद्दों पर कार्यरत है जिनका राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया से प्रत्यक्ष संबंद्ध है. प्राकृतिक आपदाओं में इस संस्था ने सामाजिक एवं राष्ट्रीय उत्तरदायित्वों का निर्वहन जिस तरह से किया है व देश की जल समस्या के निवारण में एक नवीन वैचारिकी और कार्यशैली को जन्म दिया है, हम आत्मविश्वास के साथ यह कहेंगे कि पानी के नाम पर विश्वयुद्ध की संभावनाएं भले ही बनी रहें, देश में राज्यों के बीच जल विवादो का हल व किसान भाईयों के बेहतर जीवन की आशा बलवती होती चली जाएगी.युवा पीढ़ी को सक्षम बनाने के साथ "मूल्यवर्धन" पाठ्यक्रम से एक अनुशासित व सुसंस्कृत भावी पीढ़ी की कल्पना अब यथार्थ में साकार होगी. एक सुदृढ़ भारत के निर्माण में भारतीय जैन संघटना की रचनात्मक भूमिका है. यही अपेक्षा इस देश के प्रत्येक नागरिक और सामाजिक संस्थाओं से है कि वे भी सामाजिक एवं राष्ट्रीय उत्तरदायित्वों के प्रति दृष्टिकोण में बदलाव लाएँ, क्योंकि यह हम सब देश वासियों व देश हित में है.

श्री शांतीलालजी मुथ्था का संदेश समाजजन एवं विशेषकर देश के युवाओं के नाम

भारतीय जैन संघटना के संस्थापक श्री शांतीलालजी मुथ्था ने समाज को व विशेषकर देश के युवा वर्ग को विशेष सन्देश दिया है जिसका हाल ही में प्रसिद्ध टीवी प्रोग्राम "जोश टॉक" में प्रसारण हुआ. इस सन्देश में उन्होंने विभिन्न विषयों को स्पर्श किया. संदेश में आपने कहा कि "कोई भी कार्य कठिन नहीं होता. हममें उस कार्य को करने की तीव्र इच्छा शक्ति होनी चाहिए." आपने विगत 25 वर्षों में देश में आयी विभन्न प्राकृतिक आपदाओं में ज़रुरतमंदों के लिए किये गए सहायता कार्यों का विवरण देते हुए विशेष रूप से उल्लेख किया कि "भूकंप ग्रस्त, आदिवासी तथा आत्महत्याग्रस्त किसान परिवार के बेटे-बेटियों का शैक्षणिक पुनर्वसन तथा महाराष्ट्र को अकाल मुक्त करने हेतु हम दृढसंकल्पित हैं और इस पर प्रामाणिकता से कार्यरत भी हैं"

आपने कहा "मेहनत करने की इच्छाशक्ति होनी चाहिए व कार्य जो भी करें प्रमाणिक होने चाहिए. स्वयं पर विश्वास हो तो ईश्वर भी साथ देता है. जोखिम उठाने की हिम्मत हो तो सफलता मिलती ही है. अन्यथा हम सोचते ही रह जाते हैं और जीवन में हम कभी भी बड़ा कार्य नहीं कर पाते".

बेरोजगारी पर बोलते हुए आपने कहा "यह सच है कि बेरोजगारी है, किन्तु अच्छे लोगों की ज़रूरत हर समय हर व्यक्ति या व्यवसायी को होती है. छोटा या बड़ा जो काम मिले उसे प्रामाणिकता व मेहनत से करना चाहिये. हम छोटे स्वप्न देखते हैं और वहीँ पर रुक जाते हैं. हमें बड़े स्वप्न देखने की आदत होनी चाहिए. हमारी सोच व्यापक हो तो कोई भी हमारी प्रगति में बाधा नहीं बन सकता".

जो समाज सेवा का कार्य करना चाहते हैं उनके लिए भी श्री मुथ्था ने अपने सेवा कार्यों के गहन अनुभवों के आधार पर कहा "जब आप कोई सेवा का प्रोजेक्ट करते हैं तो अन्य अनेक लोग आपकी परीक्षा लेते हैं. वो देखते हैं कि कहीं इसमे कोई Hidden Agenda तो नहीं ? लोगो को संशय रहता है कि यह व्यक्ति इतना काम क्यों कर रहा है? इसकी वजह क्या है? इसमें से इसे कुछ मिलने वाला है क्या? इस प्रकार की शंका लोगों के मन में आना स्वाभाविक है और समाज सेवा के मेरे प्रारंभिक काल में भी लोगों के मन में ऐसी शंकाएं उत्पन्न हुई थी. पर अब लोग मुझे समझने लगे हैं और मुझ पर विश्वास भी करने लगे हैं. हमें धैर्य पूर्वक अपने लक्ष्य को पाने के लिए लगे रहना चाहिये. Long Term का विचार कीजिये, शार्ट टर्म का नहीं. कार्य हाथ में लेते समय ऐसे कार्यों का चयन करें जो Impossible लगे और यह कार्य मैं कर सकता हूँ, मन में ऐसी ज़िद रखें. स्वयं के लिए कोई अपेक्षा रखकर कार्य न करें, तभी आप कार्य में सफल हो सकते हैं. दुनिया में ऐसे कई लोग हुए हैं जिन्होंने अपने जीवन काल में महान कार्य किये लेकिन उनको पहचान उनकी मृत्यु के बाद मिली".

"अपयश ही यश की पहली सीढ़ी है. जब तक अपयश नहीं आता, तब तक कार्य मजबूत नहीं होता. इंसान में यश पचाने की हिम्मत और अपयश पचाने की ताकत होना ज़रूरी है. जो कार्य हाथ में लिया है अगर आप उसमें संतुष्ट हो गये तो समझो कि आप खत्म हो गए. थोड़े से यश से बहुत आनंदित होना और थोड़े से अपयश से बहुत चिंतित होना ये दोनों बातें इंसान के लिए अत्यंत हानिकारक हैं. दस वर्ष पूर्व मेरे मन में मूल्य आधारित शिक्षा पर कार्य करने का विचार आया. शिक्षण व्यवस्था में बदलाव हो ऐसी मेरी ज़िद थी. अनेकों कठिनाइयों का सामना कर, अथक परिश्रम के बाद हमने 'मूल्यवर्धन' नामक शैक्षणिक कार्यक्रम तैयार किया. आज महाराष्ट्र सरकार के 40,000 स्कूलों में एक लाख शिक्षकों को प्रशिक्षित किया और 20 लाख विद्यार्थी मूल्य शिक्षण ले रहे हैं. ज़िला परिषद के स्कूलों में देश का यह सबसे बड़ा प्रकल्प है जो राज्य सरकार द्वारा चलाया जा रहा है, और अब हम सरकार को सिर्फ बाहर से मदद कर रहे हैं".

युवाओं को मेरी यही सलाह है कि "मनुष्य जीवन मिला है तो कुछ ऐसा कार्य करो कि आने वाली पीढ़ी आपका नाम याद रखे. जीवन के कोई भी निर्णय सोच समझकर लें. आपका निर्णय दूसरों पर निर्भर न हो. यदि आपके निर्णय आपने स्वयं नहीं लिए तो आप प्रगति नहीं कर पाएंगे. स्वप्रेरित उत्तरदायित्वों से कार्य करो. यदि कार्यों को हमने ठीक से किया तो जीवन में योग्य निर्णय लेने की क्षमता हममें आ जायेगी. वर्तमान परिस्थितियों को देखें तो बहुत सारे प्रश्न और समस्याएँ समाज और देश में हैं, जिन पर आप काम कर सकते हैं. विश्वास कीजिये कि इन प्रश्नों और समस्याओं को समाप्त करने की ताकत आपमें है. आप किसी भी चेलेंज को एक अवसर के रूप में लें. अथक परिश्रम करने की आदत बनाएं. कोई भी काम करने की इच्छा शक्ति और मन में सकारात्मकता रखें. हमारा देश बहुत विशाल है और बहुत से कार्य करने के लिए हैं. जो भी काम करो अच्छी भावना रखो, किसी का बुरा मत करो, दुश्मन भी हो तो उसके लिए अच्छी भावना रखो, जिस वक्त मन में अच्छे विचार व भावना आएंगी तब ही समस्याएं दूर होंगी".

राष्ट्रीय अध्यक्ष का मध्यप्रदेश दौरा सम्पन्न

भारतीय संघटना के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल पारख का मध्यप्रदेश (पश्चिम) के आगामी राज्य अध्यक्ष श्री दिलीप डोसी एवं राज्य सचिव श्री वीरेन्द्र नाहर के साथ मध्यप्रदेश का राज्य व्यापी दौरा 16 जुलाई से 19 जुलाई 2018 तक 1400 किलोमीटर के प्रवास में पूर्ण हुआ, जिसमें 12 जिलों व 14 चैप्टर्स के 1200 से अधिक समाजजन एवं बीजेएस पदाधिकारियों को बीजेएस के कार्यक्रमों के समाज व देश हित में महत्व से अवगत कराने के साथ उनके आयोजनार्थ आवश्यक वातावरण निर्माण के प्रयास किए गए.

श्री पारख ने मध्यप्रदेश राज्य का दौरा 16 जुलाई को प्रात: देवास, दोपहर में शाजापुर एवं सांय उज्जैन, 17 जुलाई को प्रातः नीमच, दोपहर में मंदसौर व जावरा तथा सांय रतलाम, 18 जुलाई को प्रातः धार, दोपहर झाबुआ व सांय कुक्षी एवं अंजड, 19 जुलाई को खरगोन, खंडवा एवं बुरहानपुर में कार्यकर्ताओं एवं समाज जन को संबोधित किया.

इस दौरे में बीजेएस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से प्रत्यक्षतः विचार विमर्श कर राष्ट्र हित व समाज के प्रति उत्तरदायित्वों के निर्वहन में बीजेएस के कार्यक्रमों की उपयोगिता को समझने की प्रार्थना की गई. श्री पारख ने बीजेएस के विभिन्न कार्यक्रमों की विस्तार से चर्चा करते हुए पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं में चेतना फूंकने व जागृति लाने का सफल प्रयास किया.

युवती सक्षमीकरण कार्यक्रम 'स्मार्ट गर्ल' को गति देकर अधिक से अधिक आयोजन करने हेतु सहमति बनाई गई. इसके अतिरिक्त अल्पसंख्यक लाभ कार्यशालाएँ, परिचय सम्मेलन, युगल सशक्तिकरण एवं व्यापार विकास आदि कार्यक्रमों के आयोजन हेतु पदाधिकारियों को प्रोत्साहित किया गया.

डॉ. शरद दोशी मध्यप्रदेश राज्याध्यक्ष, श्री अनिल रांका एवं श्रीमती साशा जैन राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य, श्री विनोद छाबड़ा, श्री विजय बाकलीवाल इंदौर आदि भी इस दौरे में जुड़े.

बीजेएस तमिलनाडु राज्य कार्यकारी बैठक चिदंबरम में संपन्न

भारतीय जैन संघटना तमिलनाडु राज्य कार्यकारी की बैठक 15 जुलाई 2018 को चिदंबरम में आयोजित की गई. बैठक के मेजबान अध्यक्ष श्री एम.कमल किशोर ने प्रतिभागियों का स्वागत किया. तमिलनाडु के विभिन्न हिस्सों के 60 से अधिक राज्य कार्यकारी सदस्यों ने इसमें भाग लिया.

बैठक में प्रस्तावित कार्यसूची अनुसार विभिन्न मुद्दों पर चर्चा विचारणा हुई. बैठक में विभिन्न चेप्टरों द्वारा अगले कुछ महीनों में निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त किये जाने के संदर्भ में सहमति बनाई गई. पांडिचेरी, सलेम, त्रिची, इरोड, मायावरम, कुड्डालोर, कुंभकोणम, पंरुती, चेन्नई में जैन समुदाय के लिए स्मार्ट गर्ल कार्यक्रम तथा गैर समुदाय के लिए चिदंबरम, मयिलादुदुरै, पांडिचेरी. ऊटी, सेलम के स्कूलों और कॉलेजों में स्मार्ट गर्ल कार्यक्रम के आयोजन हेतु चर्चा की गई व महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए.

आगामी राज्य कार्यसमिति बैठक बीजेएस पांडिचेरी चेप्टर ने आयोजित करने हेतु इच्छा जाहिर की. 15 व 16 दिसंबर 2018 को बेंगलोर कर्नाटक में होने वाली आगामी बीजेएस राष्ट्रीय सम्मेलन की सूचना सभी सदस्यों को दी गई. बीजेएस चिदंबरम सचिव श्री इंदरचंद दुधेरिया ने धन्यवाद का प्रस्ताव दिया.

बैठक में राष्ट्रीय महामंत्री श्री राजेंद्र लुंकड़, राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य श्री ज्ञानचंद आंचलिया, राज्य अध्यक्ष श्री राजेंद्र दुगड, राज्य उपाध्यक्ष श्री धनराज टाटिया एवं श्री महावीर परमार, राज्य महासचिव श्री ललित बोकड़िया, सचिव श्री महावीर बोहरा चिदंबरम आदि उपस्थित रहे.

बीजेएस गतिविधियाँ एवं समाचार

राष्ट्रीय अध्यक्ष अगस्त 2018 में उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु व राजस्थान के दौरे पर

भारतीय जैन संघटना के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल पारख 16 से 19 अगस्त तक उत्तर प्रदेश, 22 से 25 अगस्त तक तमिलनाडु व 28 से 31 अगस्त तक राजस्थान के विभिन्न जिलों के दौरे पर रहेगें. वे 16 अगस्त को दिल्ली से रवाना होकर उत्तरप्रदेश के गाजियाबाद, मेरठ व मुजफ्फरपुर. 17 को रुड़की, सहारनपुर, शामली एवं 18 को अलीगढ़, एटा, मैनपुरी तथा 19 को फ़िरोजाबाद, आगरा के दौरे पर रहेगें.

श्री पारख 22 अगस्त को तमिलनाडु के कांचिपुरम, पोंडिचेरी (विल्लिपुरम + तिन्दिवनाम), कुड्डालोर (पंरुती) , चिदंबरम (के.एम. कोइल). 23 को सिरकली (मयराम), कुम्भकोनम (तंजावुर), त्रिचिरापल्ली पहुंचेंगे. 24 को कोयंबटूर, सलेम, इरोड तथा 25 को वनियम्पडी (तिरुपत्तुर व अम्बूर), गुडियथम, वेल्लोर के दौरे पर रहेगें. इसके पश्चात् वे 27 को जयपुर से रवाना होकर राजस्थान में 28 को टोंक, देओली, बूंदी, कोटा. 29 को बारां, छबरा, झालावाड, रावतभाटा. 30 को चित्तोड, भीलवाड़ा, विजयनगर, नसीराबाद, ब्यावर एवं 31 को सोजत, पाली, जोधपुर, जयपुर के दौरे पर रहेगें.

'स्मार्ट गर्ल' कार्यक्रम में 1033 छात्राओं ने प्रतिभागिता कर गोल्डन बुक में दर्ज़ करवाया वर्ल्ड रेकार्ड

21-22 जुलाई, 2018 को खरगोन (म.प्र.) में स्मार्टगर्ल कार्यक्रम में विभिन्न सरकारी स्कूलों से 1033 छात्राओं ने प्रतिभागिता कर गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रेकॉर्ड में जगह बनाई. भारतीय जैन संघटना, रोटरी क्लब एवं गोकुलदास पब्लिक स्कूल, खरगोन (म.प्र.) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित दो दिवसीय इस कार्यक्रम में प्रशिक्षक डॉ. ममता मंसारे ने 63, श्री चित्रेश जैन ने 70, डॉ. अंजू अग्रवाल ने 104, डॉ. राकेश पटेल ने 76, श्रीमती अलका यादव ने 65, श्रीमती दीपिका परसाई ने 83, श्रीमती प्रियंका दुबे ने 67, श्रीमती सारिका रेड्डी ने 63, कु. सपना पांडे ने 83, सुश्री शीतल यादव ने 86 , श्रीमती नीलिमा जैन ने 84, श्रीमती सरीता महाजन ने 59, श्रीमती हर्षिता नाहर ने 55, श्रीमती वंदना वडोले ने 75 छात्राओं को स्मार्ट गर्ल कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षण दिया.

गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड पदाधिकारी श्री संतोष अग्रवाल, दिल्ली द्वारा गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड का प्रमाण पत्र दिया गया. बीजेएस एवं रोटरी क्लब के अध्यक्ष विवेक जैन, सचिव गोल्डी चावला, डॉ.कीर्ति जैन एवं श्रीमती सरिता महाजन गोकुलदास पब्लिक स्कूल ने इस कार्यक्रम के आयोजन मे रचनात्मक भूमिका अदा की. दो दिवसीय कार्यक्रम मे सक्षम होने पर बालिकाओं ने अपने निजी अनुभवों को साझा किया.

प्रथम बिज़नेस कॉन्क्लेव का आयोजन 1 व 2 सितंबर, 2018 को इंदौर में

भारतीय जैन संघटना के व्यापार विकास अभियान के अंतर्गत, iBuD (Igniting Business Development) व iBuD –Dubai की अपार सफलता के बाद, प्रथम बिज़नेस कॉन्क्लेव का आयोजन इंदौर में होने जा रहा है. इस कॉन्क्लेव का उद्देश्य उच्च शिक्षित युवा नव उद्यमियों को सफल उद्यमी व व्यवसायी बनने हेतु आवश्यक मार्गदर्शन देना तथा सफल उद्यम हेतु प्रोत्साहित करना है . यह कॉन्क्लेव युवा उद्यमियों को व्यवसाय विकास के आधुनिक तरीकों और साधनों के बारे में जानने और समझने में मददरूप होगा. इस कॉन्क्लेव में ग्रोथ समिट, स्टार्टअप समिट, टेक्नोलॉजी समिट एवं B2B समिट आदि ऐसे अनेक सत्र होंगे, जहां प्रतिभागियों को उद्योग व्यवसाय में शीर्ष सफल मांधताओं, विशेषज्ञों तथा वक्ताओं से व्यवसाय मार्गदर्शन व वैश्विक व्यवसाय आदि विषयों पर विस्तृत जानकारी मिलेगी.

इसके अतिरिक्त व्यवसाय के विस्तार के लिए प्रौद्योगिकी उपयोग एवं B2B नेटवर्किंग का उपयोग कैसे करें विषय पर सम्पूर्ण जॉनकारी प्राप्त होगी. यह कॉन्क्लेव सीखने व मार्गदर्शन प्राप्त करने के साथ साथ नेटवर्किंग के लिए सही मंच होगा. प्रतिभागियों को पसरस्पर दीर्घकालिक संबंध व संपर्क बनाने के लिए यह कॉन्क्लेव आवश्यक मंच प्रदान करेगा.

कॉन्क्लेव में शामिल होने के लिए निम्न वेबसाईट पर अपना नाम शीघ्र रजिस्टर करें http://bjsindia.org/business/

महाराष्ट्र राज्य अध्यक्ष श्री अमर गाँधी का नाशिक विभाग का सफल दौरा हुआ सम्पन्न

भारतीय जैन संघटना महाराष्ट्र राज्य के अध्यक्ष श्री अमर गाँधी का नाशिक विभाग का दौरा 22 से 26 जुलाई, 2018 के बीच संपन्न हुआ. श्री गाँधी ने दौरा 22 जुलाई को नांदगाव से आरंभ किया. 23 जुलाई को निफड, लासलगाव, येवला, सिन्नर 24 जुलाई को घोटी, इगतपुरी, नाशिकरोड, नाशिक (म्हसरुळ) 25 जुलाई को वणी, तहाराबाद, सटाणा, चांदवड 26 जुलाई को उमराणा मालेगाव मनमाड में कार्यकर्ताओं एवं समाज जन को संबोधित किया.

इस सभा मे महाराष्ट्र मे चल रहे महाराष्ट्र अकाल मुक्त अभियान और सुजलाम सुफलाम अभियान, बीजेस कार्यक्रम / अल्पसंख्यक योजना की जानकारी प्रदान की तथा राष्ट्रीय अधिवेशन 2018 बेंगलोर (कर्नाटक) मे उपस्थित रहने हेतु बीजेस कार्यकर्ता व समाजजन को राज्य अध्यक्ष श्री गांधी ने आमंत्रण दिया. सभा मे राज्य सचिव श्री महेन्द्र मंडलेचा चन्द्रपुर, राज्य सदस्य श्री दिपक चोपडा नाशिक, विभागीय अध्यक्ष श्री प्रताप बाफणा मालेगाव, विभागीय सदस्य श्री दत्तराज छाजेड तथा शहर अध्यक्ष डॉ. गादीया आदि उपस्थित रहे.

ऑनलाईन आवेदन 30 सितंबर, 18 तक किये जा सकेंगे

अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति योजनाओं में ऑनलाईन आवेदन हेतु भारत सरकार के राष्ट्रीय पोर्टल www.scholarships.gov.in को 23 जुलाई, 2018 को खोल दिया गया है. भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों व विभागों द्वारा संचालित छात्रवृत्ति की विभिन्न योजनाओं में इस मात्र एक पोर्टल पर आवेदन स्वीकार किये जाते हैं.

प्रधानमंत्री के 15 सूत्री कार्यक्रम के अंतर्गत अल्पसंख्यक मंत्रालय भारत सरकार द्वारा संचालित छात्रवृत्ति की विभिन्न योजनाओं में शैक्षणिक वर्ष 2018-19 हेतु अल्पसंख्यक समुदाय के विद्यार्थी आवेदन कर सकेंगे.

जिन विद्यार्थियों को गत वर्ष छात्रवृत्ति स्वीकृत हुई वे नवीनीकरण (renewal) तथा इस वर्ष पहली बार आवेदन करने वाले नवीन (fresh) आवेदन करें. अधिक जॉनकारी हेतु भारतीय जैन संघटना, पुणे 020 66050220 पर या helpminority@bjsindia.org पर संपर्क करें.

MINORITY KNOWLEDGE CENTER helpminority@bjsindia.org

प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला आगरा में हुई सम्पन्न

अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति योजनाओं में ऑनलाईन आवेदन प्रक्रिया पद्धतियों पर प्राशिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन बीजेएस उत्तरप्रदेश द्वारा 8 जुलाई, 2018 को एम डी जैन इंटर कॉलेज, आगरा में आयोजित हुआ. इस कार्यशाला में मुख्य प्राशिक्षक श्री निरंजन जुंवा जैन ने 30 सामाजिक कार्यकर्ताओं को प्राशिक्षक प्रशिक्षण प्रदान किया.

JITO अहमदाबाद द्वारा स्थापित अल्पसंख्यक हेल्प डेस्क को भारतीय जैन संघटना का रचनात्मक सहयोग

1 अगस्त, 2018 से JITO अहमदाबाद द्वारा विधिवत रूप से अल्पसंख्यक हेल्प डेस्क का शुभारंभ किया गया. दिनांक 24 जुलाई को अहमदाबाद में आयोजित कार्यक्रम में श्री निरंजन जुंवा जैन ने अल्पसंख्यक अधिकारों तथा लाभों पर सभा को संबोधित किया व मार्गदर्शन प्रदान किया तथा JITO हेल्प डेस्क को पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन भारतीय जैन संघटना की तरफ से दिया.

छात्राओं हेतु नई छात्रवृत्ति योजना का हुआ श्रीगणेश

अल्पसंख्यक मंत्रालय भारत सरकार की संस्था मौलाना आज़ाद एजुकेशन फॉउंडेशन, नई दिल्ली द्वारा सभी 6 अल्पसंख्यक समुदायों की कक्षा 9 से 12 में अध्ययन कर रही छात्राएं जिनकी वार्षिक पारिवारिक आय 2 लाख से कम व गत वार्षिक परीक्षा 50% अंको से उत्तीर्ण की है, बेगम हज़रत महल राष्ट्रीय छात्रवृत्ति योजना में छात्रवृत्ति हेतु आवेदन कर सकेंगी. इस योजना में ऑनलाइन आवेदन हेतु अलग से पोर्टल प्रारम्भ किया गया है. इच्छुक छात्राएं www.maef.nic.in पर ऑनलाईन आवेदन करें. पोर्टल पर दिया गया योजना का विवरण व नियम आदि का अध्ययन आवेदन करने से पूर्व कर लेने की सलाह दी जाती है. अधिक जॉनकारी हेतु भारतीय जैन संघटना, पुणे 020 66050220 पर या **helpminority@bjsindia.org** पर संपर्क करें

इच्छुक विद्यार्थी नये या नवीनीकरण आवेदन हेतु पोर्टल का भ्रमण कर गाईडलाइंस का अध्ययन करें.

अधिक जॉनकारी व मार्गदर्शन हेतु संपर्क करें निरंजन जुंवा जैन 9426517658

BJS Minority Helpdesk: helpminority@bjsindia.org

जिनवाणी चेनल पर भारतीय जैन संघटना

जिनवाणी चेनल पर जैन समाज और उसका अल्पसंख्यक स्वरूप नामक परिचर्चा का प्रसारण दिनांक 29 जुलाई, 2018 को हुआ. भारतीय जैन संघटना अल्पसंख्यक लाभ जन जागृति अभियान के राष्ट्रीय संयोजक श्री निरंजन जुंवा जैन से अल्पसंख्यक जैन समाज के अधिकारों व मिलने वाले लाभों, जैन समाज की अल्पसंख्यक विषय में अवधारणाओं तथा जैन समाज के अल्पसंख्यक स्वरूप के मूल्यांकन सहित लाभ प्राप्त करने में खड़ी हो रही समस्याओं पर विस्तृत रूप से जॉनकारी दी. उत्तर प्रदेश भारतीय जैन संघटना के राज्याध्यक्ष श्री मनोज जैन, आगरा ने परिचर्चा को जीवंत बनाते हुए श्री जुंवा द्वारा दिए गए उत्तरों व जॉनकारी पर निष्कर्षों को श्रेष्ठ तरीके से दर्शकों के समक्ष प्रस्तुत किया. भारतीय जैन संघटना द्वारा संचालित अल्पसंख्यक लाभ जन जागृति अभियान के अंतर्गत जैन समुदाय को दी जा रही सेवाओं, मार्गदर्शन, व्यावहारिक सेवाओं के क्षेत्र में पदार्पण आदि पर चर्चा के अतिरिक्त अल्पसंख्यक अधिकारों के प्रति जागृत करने का प्रयास किया गया. अब कार्यक्रम की रिकॉर्डिंग Youtube पर लिंक https://youtu.be/xuSO8oQ8SrI सुना जा सकेगा.

जैन समाज व उसका अल्पसंख्यक स्वरुप

कार्यक्रम की रिकार्डिंग अब भारतीय जैन संघटना के फेसबुक पेज https://www.facebook.com/BJSIndia/ एवं यू-ट्यूब https://www.youtube.com/watch?v=xuSO8oQ8SrI तथा वेबसाइट http://bjsindia.org पर उपलब्ध है. समाजजन से इस कार्यक्रम को अवश्य ही देखने की प्रार्थना.

BJS National Business Conclave
Learn - Lead - Succeed

@ Indore: 1-2 September 2018

Roadmap for growth & success in your business

Block your dates & Register now

http://bjsindia.org/business/

Star Attractions

- Great Business Leaders
- Top management exports
- Business growth stories
- Start up success stories
- Business growth funde
- Life management mantras
- Best professional support
- Pan-India networking
- B2B meet ups
- Best Hospitality in 5 star resort

Most important-YOU are in the focus

Galaxy of Speakers

- **Snehal Desai,** COO - Adani Group
- **Ashok Jain,** MD - Jain Irrigation
- **Chetanya Kashyap,** Vice Chairman- MP SPC
- **Dr Rishikesha Krishnan,** Director-IIM Indore
- **Devendra Surana,** President Telangana FICCI
- **Sudhir Mehta,** President CII
- **Ashish Goyal ,** VP- National Stock Exchange
- **Amit Kumat,** MD-Yellow Diamond
- **Mithun Sacheti,** Founder - Caratlane
- **Veenu Sakhlecha,** MD-CEG
- **Santosh Bhandari,** Founder - SB Bazar
- **Ruzan Khambatta,** MD - Rasna
- **Gaurav Kalani -** McKinsey
- **Akshay Jain -** Ernst & Young
- **Sumit Maru -** Facilitating on e-commerce
- **Vinay Chhalani,** Founder - Diaspark
- **Vinay Singhal,** Founder Wittyfeed
- **Karanvir Singh,** Founder Visionum Group
- **B P Inani ,** MD- Swan Finance
- **Dr Kamal Kishore Jain,** Faculty - IIM's
- **Pt Vijay Shankar Mehta-** Life Management Guru

BJS

iBuD Dubai-2

(1st October to 5th October 2018)

Interact with 'RESOURCE PERSONS' about Business opportunities in . .

Food Grains & Grocery	Real Estate
Textile/Readymade Garments	Furniture
Gems & Jewellery	Building Materials
Import & Export Trading	Gifts & Handicrafts

Interact with 'PROFESSIONALS' about Business Do's & Dont's

Law Firms	Chamber of Commerce
Banking	Business Associations
Chartered Accountants	Dubai Free Trade Zone

Register Online Now !

http://bjsindia.org/ibud/ibudapp.html

Limited Seats Available !

LAST DATE OF REGISTRATION

15th September, 2018

ELIGIBLE AGE 20 to 40 Years

- CONVENER -

Shri. Virendra Jain 93297 55599

- RESOURCE PERSON -

Shri. Rakesh Jain 98260 35523

For further information Contact BJS Head Office

Shri. Shashikant Munot : 94204 77052 / 020-6605 0220

Join iBuD Dubai-2

To,

RNI No.-MAHBIL/2016/66409
Postal Registration No.-PCE / 089 / 2016-2018
License to Post without prepayment No.-WPP-255/31.12.2018
Post Customer ID 4000004011
Published on 07.08.2018
Posted at Market Yard PSO, Pune On- 10.08.2018

If undelivered Please Return To

BJS Bharatiya Jain Sanghatana

Muttha Chambers II, Senapati Bapat Road, Pune 411016
Tel. : 020 6605 0220
Website: www.bjsindia.org **Email :** info@bjsindia.org **Facebook :** www.facebook.com / BJSIndiacommunity **Tweeter :** BJS_India

मुद्रक तथा प्रकाशक – प्रफुल्ल पारख द्वारा भारतीय जैन संघटना के लिये प्रभात प्रिंटिंग वर्क्स, 427, गुलटेकड़ी, पुणे – 411037 से मुद्रित तथा मुथ्था चेम्बर्स -२ , सेनापति बापट मार्ग, पुणे – 411016 से प्रकाशित. सम्पादक – प्रफुल्ल पारख, फ़ोन – (020) 6605 0220